भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.08.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2716 का उत्तर

मुंबई में लोकल ट्रेन

2716. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि लोकल ट्रेन, विशाल शहर मुंबई, जो देश की वित्तीय राजधानी है, की जीवन रेखा है;

(ख) क्या अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए प्रतिदिन लोकल ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए कभी कोई सर्वेक्षण किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान लोकल ट्रेनों की दुर्घटनाओं और इनमें मारे गए तथा घायल हुए यात्रियों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सामान्य और आरक्षित कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या के संबंध में कोई नियम या संख्या संबंधी सीमा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

मुंबई में लोकल ट्रेन के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में श्री अनिल यशवंत देसाई के अतारांकित प्रश्न सं. 2716 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): मुंबई क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए, मध्य और पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंडों पर लोकल रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, लगभग 241.1 करोड़ यात्रियों ने मध्य और पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर लोकल रेलगाड़ियों की सेवाओं का उपयोग किया।

इसके अलावा, मुंबई उपनगरीय गलियारों (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और कुर्ला सहित) में भीड़-भाड़ को कम करने के लिए, 8,087 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-II, 10,947 करोड़ रुपए की लागत वाली एमयूटीपी-III और यात्रियों की भावी मांगों को पूरा करने के लिए 33,690 करोड़ रुपए की लागत वाली एमयूटीपी-IIIए को स्वीकृत किया गया। इन परियोजनाओं में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निम्नलिखित रेल लिंक शामिल हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919
2	हार्बर लाइन गोरेगांव-बोरीवली का विस्तार (7 कि.मी.)	826
3	विरार-दहाणु रोड की तीसरी एवं चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3587
4	सीएसटीएम-कुर्ला पांचवीं एवं छठी लाइन (17.5 कि.मी.)	891
5	पनवेल-करजत उपनगरीय गलियारा (29.6 कि.मी.)	2782
6	एरोली-कलवा (एलीवेटेड) उपनगरीय गलियारा लिंक (3.3 कि.मी.)	476
7	बोरीवली-विरार पांचवी एवं छठी लाइन (26 कि.मी.)	2184
8	कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1759
9	कल्याण-बदलापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन (14.05 कि.मी.)	1510
10	कल्याण यार्ड-मेन लाइन और उपनगरीय लाइन का पृथक्करण	866

इसके अलावा, नायगांव और जूचंद्र (5.73 किमी) के बीच वसई बाईपास लाइन (दोहरी लाइन) के निर्माण को 175.99 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृति दी गई है। उपनगरीय गलियारों पर भावी मांगों के लिए इन गलियारों का अत्यधिक विस्तार करना एक सतत् प्रक्रिया है।

इन सभी एमयूटीपी परियोजनाओं को रेल मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के बीच लागत में 50:50 भागीदारी के आधार पर स्वीकृत किया गया है। बहरहाल, महाराष्ट्र सरकार 2022-23

तक प्रतिबद्धता के अनुसार समय पर अपेक्षित धनराशि प्रदान नहीं कर रही थी, जिसके परिणामस्वरूप परियोजनाओं को पूरा करने में देरी हुई। महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल 2023 से एमयूटीपी-IIIए परियोजनाओं का वित्तपोषण शुरू कर दिया है।

(ग) 2019-20 से 2023-24 तक पिछले 5 वर्षों के दौरान, मुंबई क्षेत्र अर्थात मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडलों पर लोकल रेलगाड़ियों की कुल 05 परिणामी रेलगाड़ियों दुर्घटनाएं हुई हैं। इन परिणामी दुर्घटनाओं में कोई यात्री हताहत या घायल नहीं हुआ।

(घ) भारतीय रेल सभी यात्रियों को कन्फर्म स्थान मुहैया कराने के लिए प्रयासरत रहती है। हालांकि, केवल उन यात्रियों को आरक्षित सवारी डिब्बों में चढ़ने की अनुमति दी जाती है जिनके पास यात्रा करने का वैध यात्रा प्राधिकार होता है। अनारक्षित टिकट मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार यात्रा के आरंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक जाने वाली किसी भी गाड़ी में और टिकट पर दर्शाई गई श्रेणी में यात्रा के लिए वैध होते हैं। ये टिकट किसी गाड़ी विशेष के लिए नहीं होते हैं।

*****